THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) Salem Steel Plant is producing, cold rolled stainless steel sheets/coils. The plant was initially set up in March, 1977 at a cost of Rs. 181.19 crores to produce 32,000 tonnes per annum of cold rolled stainless steel sheets. The second cold rolling mill was sanctioned in March, 1988 which was completed at a cost of Rs. 76.27 crores in March, 1991. The capacity of the plant increased to 70,000 tonnes. As a next step in backward integration, hot rolling facilities have been sanctioned in April, 1991 at an estimated cost of Rs. 425.16 crores (revised cost Rs. 664.60 crores). This is to be completed in 48 months time i.e. by April, 1995.

Production from the facilities existing and now being installed at Salem Steel Plant will have to get stabilised before the next stage of plant development is taken up.

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा गैर-सरकारी व्यक्तियों को प्रशिक्षण

4554. **श्री मोहिन्दर सिंह कल्याण :**
श्री जागीर सिंह "दर्द" :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण के विमान से किसी गैर-सरकारी व्यक्ति को प्रशिक्षण देने की कोई व्यवस्था है ;

(ख) यदि नहीं, तो प्राधिकरण का विमान श्री एस०बी०सिंह० को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से उपलब्ध कराने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि श्री एस०बी० सिंह० ने यह विमान मुख्य विमान चालक के प्रभाव के अन्तर्गत उड़ाया, जो श्री एस०बी० सिंह के पिता है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त गैर-सरकारी व्यक्ति श्री एस० बी० सिंह ने स विमान द्वारा एक घंटा 55 मिनट प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसमें 21,600 रु० का व्यय अन्तर्ग्रस्त था तथा इस राशि को किस आधार पर वसूल किया गया ; और

(ङ) क्या गैर-सरकारी व्यक्ति को प्रशिक्षण देने के लिये उत्तरदायी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही की गयी है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) से (ङ) सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Production, export and import of steel

4555. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN:
SHRI J. S. RAJU:

Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) what was the gross total production of steel in the year 1991-92:

(b) whether steel is being imported to meet the local demand;

(c) if so, the details thereof and the plans to step up export;

(d) which part of the country is producing best quality steel; and

(e) what are the proposals with Government to step up the production to meet the indegenous growing demand?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) The total production of Finished Steel in the country during the year 1991-92 was 14.33 million tonnes.

(b) and (c) Yes, Sir. The total import of Finished Steel during the year 1991-92 was 1.01 million tonnes. The total export of iron and steel by Main Porducers during the year 1991-92 was 3.87 lakh tonnes which increased to about 9.1 lakh

tonnes in the year 1992-93. It is expected that by the end of the 8th Five Year Plan i.e. 1996-97, the export of steel will increase to about 2.5 million tonnes.

(d) Steel produced in the country falls under a large number of categories and specifications. It is, therefore, not possible to identify which part of the country is producing the best quality of steel.

(e) Government has taken various steps to encourage indigenous production of steel. These include:

(i) Modernisation and expansion of the public sector integrated steel plants;

(ii) Delicensing and de-regulation of the iron and steel industry to encourage private sector investment;

(iii) Reduction of customs duty on project imports and reduction of minimum interest rate on commercial advances in the Budget to improve the viability of industrial projects including iron and steel projects;

(iv) Reduction of customs duty on raw materials such as refractories and ferro alloys to reduce production cost of steel.

स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड का घाटे में चलना

4556. **श्रीमती सुषमा स्वराज** : क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड की अनेक इकाइयां घाटे में चल रही हैं;

(ख) यदि हां, तो 1992-93 के वित्त वर्ष के दौरान प्रत्येक इकाई को कितना-कितना घाटा हुआ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन घाटों के अन्य कारणों में प्रमुख कारण उत्पादन लागत में वृद्धि का होना है ;

(घ) क्या सकार ने उत्पादन लागत में वृद्धि के कारणों का पता लगाया है और क्या उनके सही होने का पता लगाने हेतु कोई जांच कराई गई है;

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और क्या घाटे में चल रही इकाइयों में उत्पादन लागत कम करने के लिये सरकार द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही की गई है, और

(च) यदि हां, तो मौजूदा उत्पादन-लागत को कितने प्रतिशत कम करने का लक्ष्य है तथा यह लक्ष्य कब तक पूरा कर लिया जायेगा ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि० (सहायक कम्पनियों को छोड़कर) वर्ष 1984-85 से लाभ कमा रहा है । वर्ष 1992-93 के दौरान इसको 423.4 करोड़ रुपये का लाभ हुआ और लाभ एवं हानि संचयी अधिशेष हुआ तथा 31 मार्च, 1993 की स्थिति के अनुसार यह राशि 1220.03 करोड़ रुपये थी । तथापि, "सेल" की इकाई दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में इस अवधि के दौरान लगातार हानि हो रही है । वर्ष 1992-93 के दौरान दुर्गापुर इस्पात संयंत्र को हुई हानि 132.92 करोड़ रुपये थी और 31 मार्च, 1993 की स्थिति के अनुसार इसकी संचयी हानि 1010.94 करोड़ रुपये की है ।

(ग) और (घ) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र को मुख्यत: पुरानी प्रौद्योगिकी के कारण हानि हो रही है । जिसके परिणामस्वरुप उत्पादन लागत अधिक है । इस समय कार्यान्वित किये जा रहे संयंत्र के आधुनिकीकरण का एक मुख्य उद्देश्य उत्पादन लागत को कम करना है ।

(ङ) "सेल" इस संयंत्र में उत्पादन लागत को कम करने के लिये निम्नलिखित उपायों को सतत आधार पर उठा रही है:-

1. विद्यमान सुविधाओं का आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकीय उन्नयन ।